योगी आदित्यनाथ (गोरखपुर) : अध्यक्ष महोद्य, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार का ध्यान गोरखपुर की एक बहुत महत्वपूर्ण मामले की ओर दिलाना चाहता हं। महोद्य, गोरखपुर में 1984 में एक दूरद्र्शन केन्द्र की स्थापना हुई थी और उसके लिए 84 लाख रुप्ये की लागत से रातीनगर में जमीन क्रय की गई थी। 1 जुलाई, 1998 में तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री श्री मुख्तार अब्बास नक्वी ने गोरखपुर में दूरद्र्शन केन्द्र के स्टूड्यिो की स्थापना के लिए शिलान्यास किया था। वहां पर उन्होंने आश्वासन दिया था कि गोरखपुर में दूरद्र्शन केन्द्र को अत्याधुनिक बनाया जाएगा। वहां पर स्टूड्यिो निर्माण के लिए आवश्यक धन भी ऐलोकेट किया गया और इसके लिए तीन करोड़ रुप्ये स्वीकृत भी हुए थे। लेकिन आज कुछ समाचार-पत्रों में यह समाचार छपा है कि गोरखपुर दूरद्र्शन केन्द्र को वहां से स्थानांतरित करने की साजि्श हो रही है। वहां मैट्रो चैनल जो तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण मंत्री ने स्वीकार किया था, उसको भी अन्यत्र स्थानांतरित करने की साजि्श हो रही है। अध्यक्ष महोद्य, मैं आपके माध्यम से भारत सरकार से अनुरोध करना चाहता हूं कि तत्कालीन सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री द्वारा गोरखपुर में दूरद्र्शन केन्द्र के स्टूड्यिो भ्वन के शिलान्यास के अवसर पर जो आश्वासन दिया गया था चाहे मेट्रो चैनल अपलिंकिंग की व्यवस्था हो चाहे दूरद्र्शन केन्द्र में बीटाकैप कैमर उपलब्ध कराने का आश्वासन हो, उसको शीघ्र पूरा करें।

MR. SPEAKER: This will not go on record. You cannot give a speech in `Zero Hour'.

*(Interruptions)**

SHRI P.H. PANDIYAN : We are walking out in protest.

1243 hours

(At this stage, Shri P.H. Pandiyan and some

other hon. Members left the House.)